विषय - संस्कृत, बी॰ए॰ स्नातक (प्रतिष्ठा)
तृतीय वर्ष, पंचम पत्र
वैदिक व्याकरण
त्वार्थक प्रत्ययों का सामान्य परिचय :-

वैदिक व्याकरण में त्वार्थक अव्यय क्त्वा के नाम से पुकारे जाते हैं। एक वाक्य में समान कर्त्ता वाले दो अथवा अधिक धातुओं के प्रयोग होने पर पूर्व क्रिया की निष्पन्नता पर उत्तर क्रिया यदि निर्भर हो, तो पूर्ववर्ती क्रिया की अभिव्यक्ति क्त्वा प्रत्यय जोड़कर की जायेगी। (समान कर्तृकयोः पूर्वकाले - पाणिनि) उदाहरण - 'यो हत्वा हिमरिणात् सप्तसिन्धून्'। यहाँ हन् एवं अरिणात् में 'यः' समानकर्त्ता है। 'हन्' क्रिया के निष्पन्न होने पर अरिणात् क्रिया निष्पन्न हुई। इसलिए पूर्ववर्ती धातु 'हन्' में 'क्त्वा' प्रत्यय का प्रयोग किया गया है।

वैदिक भाषा में इस अर्थ की अभिव्यक्ति के पाँच प्रत्ययों का प्रयोग किया गया है।

① ल्यप् - लौकिक संस्कृत में उपसर्गयुक्त धातु से परे 'त्वा' के स्थान पर 'ल्यप्' हो जाता है। परन्तु वेदों में उपसर्गयुक्त धातु से परे 'त्वा' प्रत्यय को 'ल्यप्' आदेश विकल्प से होता है। (क्त्वापि छन्दसि - पाणिनि) उदा॰ - परिधापयित्वा, प्रत्यर्पयित्वा इत्यादि।

② त्वाय - 'त्वाय' प्रत्यय ऋग्वेद में बहुत कम प्राप्त होता है। पाणिनि के अनुसार ऐसे रूपों में 'क्त्वा' प्रत्यय को 'यक्' का आगम होता है। उदा॰ - दिवं सुपर्णो गत्वाय। पाणिनि - गम् + क्त्वा + यक् = गत्वाय। पाश्चात्य विद्वान् इसे 'त्वाय' प्रत्यय ही

IND CamScanner App

मानते हैं। उनकी दृष्टि में रूप इस प्रकार होगा - गम + त्वाय = गत्वाय (पा० - क्त्वो यक्)।

③ त्वी - इसका ऋग्वेद में अत्यधिक प्रयोग हुआ है। त्वा के अर्थ में ही त्वी का प्रयोग होता है। उदा० - कृत्वी, गत्वी इत्यादि। पाश्चात्य विद्वान धातु के साथ त्वा प्रत्यय मानते हैं। ~~उनकी~~ परन्तु पाणिनि ने 'स्नात्वी' शब्द की रूप रचना को देखकर 'स्नात्वी' इत्यादि आकृतिगण माना है। (स्नात्व्यादयश्च - पाणिनि)

④ त्वीनम् - पाणिनि ने 'इष्ट्वीनम्' शब्द को इष्ट्वा के अर्थ में निपात माना है। (इष्ट्वीनमिति च - पाणिनि) काशिका में 'पीत्वीनम्' को भी 'पीत्वा' के स्थान पर माना है। (पीत्वीनमित्यपीष्यते)।

⑤ अम - 'अम' प्रयोग प्रायः समास में अथवा पूर्ववर्ती शब्द विद्यमान होनेपर ही होता है। अर्थ की दृष्टि से यह 'क्त्वा' के अर्थ को नहीं बताता लेकिन उससे मिलते - जुलते अर्थ को बताता है। उदा०- शाखां समालम्भम रोहेत्।

पाश्चात्य एवं भारतीय विद्वानों ने इस प्रकार त्वार्थक शब्दों का विश्लेषण किया है। पाणिनि के मतानुसार केवल इस अर्थ में

IND CamScanner App

त्वा" प्रत्यय ही होता है जबकि पाश्चात्य विद्वानों के मतानुसार त्वा, त्वाय, त्वी, त्वीनम् तथा अम् प्रत्यय भी होते हैं।

IND CamScanner App